भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
पशुपालन और डेयरी विभाग
लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 4159
दिनांक 19 अगस्त, 2025 के लिए प्रश्न

दुग्ध और डेयरी उत्पाद

4159. डॉ. एम. के. विष्णु प्रसादः

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वर्ष 2019 से डिब्बाबंद दूध की कीमतों में वृद्धि का वर्ष-वार और राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार को जानकारी है कि पैक किए गए और बिना पैक किए गए दुग्ध और डेयरी उत्पादों की कीमतों में वृद्धि ने बच्चों के लिए पोषक तत्वों की वहनीयता को प्रभावित किया है;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार दूध की कीमतों को विनियमित करने के लिए कोई कदम उठा रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या देश में दूध की मांग की तुलना में आपूर्ति पूरी होती है; और

(ङ) यदि हां, तो सरकार द्वारा दूध की मांग और आपूर्ति के बीच के अंतर को पाटने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री
(प्रो. एस. पी. सिंह बघेल)

(क) भारत सरकार का पशुपालन और डेयरी विभाग (DAHD) दूध की खरीद और बिक्री कीमतों को विनियमित नहीं करता है। सहकारी और निजी डेयरियों द्वारा इनका निर्धारण उत्पादन लागत, डेयरी वस्तुओं (जैसे, सफेद मक्खन, स्किम्ड मिल्क पाउडर) के स्टॉक और मौजूदा घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय बाजार स्थितियों जैसे कारकों के आधार पर किया जाता है। हालाँकि, डीएएचडी राज्य दुग्ध परिसंघों और अन्य हितधारकों के साथ समन्वय में दूध की स्थिति की नियमित निगरानी करता है। दूध के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) में दूध की कीमतों में मामूली वृद्धि देखी गई है। 2019 से जुलाई माह में दूध का सीपीआई नीचे सारणीबद्ध है:

माह और वर्ष	**सूचकांक**	**मुद्रास्फीति की वार्षिक दर %**
जुलाई 2019	143.90	0.98
जुलाई 2020	153.50	6.67
जुलाई 2021	157.50	2.61
जुलाई 2022	166.70	5.84
जुलाई 2023	180.50	8.28
जुलाई 2024	186.00	3.05
जुलाई 2025	191.10	2.74

(ख) डीएएचडी, भारत सरकार को ऐसा कोई अभ्यावेदन/रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुआ है जिससे यह पता चले कि पैक किए गए और बिना पैक किए गए दूध और डेयरी उत्पादों की कीमतों में वृद्धि से बच्चों के लिए पोषक तत्वों की वहनीयता प्रभावित हुई है।

(ग) उपरोक्त (क) के आलोक में प्रश्न नहीं उठता। हालांकि, पशुपालन और डेयरी विभाग (DAHD), भारत सरकार दूध उत्पादन और दूध प्रसंस्करण अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों के प्रयासों को अनुपूरित और संपूरित करने के लिए देश भर में निम्नलिखित योजनाओं को क्रियान्वित कर रहा है:

1. **राष्ट्रीय गोकुल मिशन (RGM):** आरजीएम को देशी नस्लों के विकास और संरक्षण**,** बोवाइन आबादी के आनुवंशिक उन्नयन और बोवाइन पशुओं के दूध उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि के लिए कार्यान्वित किया गया है।
2. **राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम** (**NPDD**): एनपीडीडी को निम्नलिखित **2** घटकों के साथ कार्यान्वित किया जाता है:

(i) एनपीडीडी का **घटक** '**क**' राज्य सहकारी डेयरी परिसंघों/जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक संघों/स्वयं सहायता समूहों (SHG)/दुग्ध उत्पादक कंपनियों/किसान उत्पादक संगठनों के लिए गुणवत्तापूर्ण दूध परीक्षण उपकरणों के साथ-साथ प्राथमिक शीतलन सुविधाओं के लिए अवसंरचना के निर्माण/सुदृढ़ीकरण पर केंद्रित है।

(ii) एनपीडीडी योजना के **घटक** '**ख**' "सहकारिता के माध्यम से डेयरी" को जापान अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एजेंसी (JICA) द्वारा सहायता प्रदान की गई है**,** जिसका उद्देश्य संगठित बाजार तक किसानों की पहुंच बढ़ाकर**,** डेयरी प्रसंस्करण सुविधाओं और विपणन अवसंरचना को उन्नत करके और उत्पादक स्वामित्व वाली संस्थाओं की क्षमता में वृद्धि करके दूध और डेयरी उत्पादों की बिक्री में वृद्धि करना है।

3. **डेयरी कार्यकलापों में लगी डेयरी सहकारी समितियों और किसान उत्पादक संगठनों को सहायता (SDCFPO):** राज्य डेयरी सहकारी संघों को गंभीर रूप से प्रतिकूल बाजार स्थितियों या प्राकृतिक आपदाओं के कारण उत्पन्न संकट से निपटने के लिए कार्यशील पूंजीगत ऋण के संबंध में ब्याज सबवेंशन (नियमित 2% और शीघ्र पुनर्भुगतान पर अतिरिक्त 2%**)** प्रदान करके सहायता प्रदान करना।.

4. **पशुपालन अवसंरचना विकास निधि (AHIDF):** एएचआईडीएफ पशुधन उत्पाद प्रसंस्करण और विविधीकरण अवसंरचना के सृजन/सुदृढ़ीकरण के लिए 3% प्रति वर्ष की दर से ब्याज सबवेंशन प्रदान करता है**,** जिससे असंगठित उत्पादक सदस्यों को संगठित बाजार तक अधिक पहुंच प्रदान होती है।

5. राष्ट्रीय पशुधन मिशन (NLM): व्यक्तियों**,** एफपीओ**,** एसएचजी**,** धारा **8** कंपनियों (उद्यमिता विकास के लिए) और नस्ल सुधार अवसंरचना के लिए राज्य सरकार को प्रोत्साहन प्रदान करके पोल्ट्री**,** भेड़**,** बकरी**,** सूअर पालन और चारा में उद्यमिता विकास और नस्ल सुधार पर सघन ध्यान केंद्रित करना।

6. पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण कार्यक्रम (**LHDCP**): इसका उद्देश्य पशु रोगों के लिए रोगनिरोधी टीकाकरण**,** पशु चिकित्सा सेवाओं की क्षमता का निर्माण**,** रोग निगरानी और पशु चिकित्सा अवसंरचना को सुदृढ़ करना है। इसके अतिरिक्त**,** प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्रों (PM-KSK) और सहकारी समितियों के माध्यम से देश भर में सस्ती जेनेरिक पशु चिकित्सा दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए इस योजना के अंतर्गत पशु औषधि का एक नया घटक जोड़ा गया है। इससे सस्ती और उच्च गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाओं के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण होगा।

ये योजनाएँ बोवाइन पशुओं की दुग्ध उत्पादकता में सुधार करने, डेयरी सहकारी समितियों के नेटवर्क का विस्तार करने, डेयरी अवसंरचना को सुदृढ़ करने, कार्यशील पूंजीगत आवश्यकता, चारे की उपलब्धता बढ़ाने और पशु स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने में सहायक हो रही हैं। ये पहलें दुग्ध उत्पादन की लागत को कम करने, डेयरी फार्मिंग से दुग्ध उत्पादकों की आय बढ़ाने और दूध की कीमतों को स्थिर रखने में भी सहायक हैं।

(घ) और (ड़) भारत विश्व स्तर पर दूध उत्पादन में नंबर एक स्थान पर है। वर्ष 2023-24 के दौरान, देश में 239.3 मिलियन मीट्रिक टन दूध का उत्पादन हुआ, जो कुल विश्व दूध उत्पादन का 25% से अधिक है। देश में दूध का उत्पादन पिछले 10 वर्षों के दौरान 63.56% बढ़कर वर्ष 2014-15 में 146.3 मिलियन टन से वर्ष 2023-24 में 239.30 मिलियन मीट्रिक टन हो गया। देश में दूध का उत्पादन पिछले 10 वर्षों के दौरान 5.7% की वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ रहा है, जबकि विश्व दूध उत्पादन 2% प्रति वर्ष की दर से बढ़ रहा है। देश में प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता वर्ष 2023-24 के दौरान 471 ग्राम/व्यक्ति/दिन से अधिक है, जबकि विश्व में प्रति व्यक्ति उपलब्धता 322 ग्राम/व्यक्ति/दिन है। देश में दूध का उत्पादन मांग को पूरा करने के लिए कुल मिलाकर पर्याप्त है।

****